<u>**सर्व धर्म सम्मेलन**</u>

जिसमे "सार्वभौम मानव धर्म" का प्रतिपादन किया जायेगा

"मानव जाति एक, मानव धर्म एक" – मध्यस्थ दर्शन, सह-अस्तित्ववाद की रोशनी में

- प्रणेता एवं लेखक – ए नागराज, अमरकंटक

स्थली: मानव मंदिर, ग्राम करौली, कानपूर	**दिनांक:** सोमवार, २३ अप्रैल २०१२
अधिक जानकारी: सम्मेलन वेब साईट:www.madhyasth.info | English Site: www.mdarshan.info	

उद्देश्य:

"सार्वभौम मानव धर्म" के अनुसंधान के फलस्वरूप लोकव्यापीकरण हेतु, जिससे अखण्ड मानव समाज, सार्वभौम व्यवस्था स्थापित हो सके | इसका आधार मध्यस्थ दर्शन सहअस्तित्ववाद है|

अवधारणा: *(* श्री ए नागराज जी के लेख के लिए सम्मेलन वेब साईट देखें)*

अमरकंटक निवासी श्री ए नागराज के २५ वर्ष के साधना एवं अनुसंधान से यह स्पष्ट हुआ है कि अस्तित्व (वास्तविकता) सह-अस्तित्व है, शून्य (स्पेस) में संपृक्त इकाइयों के रूप में है| ये इकाइयां ४ अवस्थाओं के रूप में प्रत्यक्ष हैं: जो पदार्थ, प्राण, जीव एवं मानव के रूप में है| इकाइयां स्वयं में व्यवस्था में हैं, एवं समग्र व्यवस्था में भागीदार हैं, अथवा सामंजस्य में हैं| मानव भी व्यवस्था में होना चाहता है, जो ज्ञान पूर्वक ही संभव हैं| संक्षिप्त में कहें, तो इसमें मानव के सम्पूर्ण प्रश्नों के उत्तर मिलते हैं, एवं प्रत्येक समस्या के लिए समाधान उपलब्ध हैं| **मानव धर्म = सुख = समाधान = समझ |**

इस दर्शन को शिक्षा विधि में लाने का स्वरूप तैयार किया जा चुका है, एवं भारत में पिछले १५ वर्षों में लगभग ३०,००० लोग इस दर्शन के परिचय शिविरों से गुजर चुके हैं| इसपर आधारित मूल्य-शिक्षा छत्तीसगढ़ राज्य स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च-शिक्षण संस्थाऑ एवं, विश्वविद्यालयों में लागू हो चुके हैं| आज तक श्री नागराज जी से कई प्रसिद्ध वैज्ञानिक, भारत के पूर्व राष्ट्रपति, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, राज्य मुख्य-मंत्री, धर्म गुरु, प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षा विद एवं जन सामान्य लोग भी मिल चुके हैं, इस प्रस्ताव को सुने हैं, इनमे से कुछ इसके अध्ययन में लगे हैं| यह सभी धर्म के मानवों, एवं वे मानव जो अपने को किसी धर्म से जोड़कर नहीं भी देखते हो को इस प्रस्ताव को अपने ही सद्-विवेक से जांचने के लिए आमंत्रण है | यह सम्मलेन २३ अप्रैल, २०१२, को कानपुर में होगा |

<u>स्वेच्छा पूर्वक आने वालों का आमंत्रण हैं</u>

कार्यक्रम:

दिनांक: २३ अप्रैल, २०१२

प्रात: ९ से १ बजे: प्रस्ताव: मध्यस्थ दर्शन के रोशनी में "मानव धर्म एक, मानव जाती एक" का प्रतिपादन

दोपहर १ से ३:००: भोजन, अनौपचारिक चर्चा

दोपहर ३:०० से ६:०० : "मानव धर्म एक" के लिए अन्य प्रस्तावों का आमंत्रण, विचार विमर्श

** साधन, भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था की जायेगी|*

कैसे पहुंचना हैं:

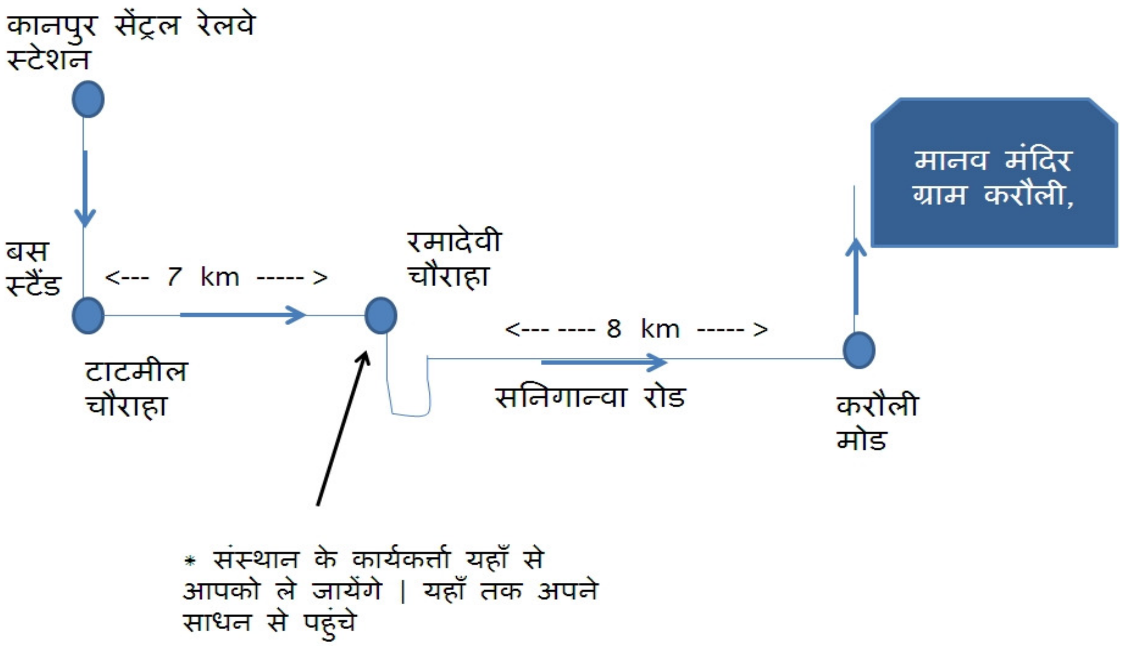

संपर्क - कृपया अपने आगमन का पूर्व सूचने दें:

ईमेल करें: manavmandir@mail.com |

फोन: प्रदीप: 9793919149, 9335373447 | गोपाल: 9451522231, 9335111631